



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक २६.२.२०२१.....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....।-६.....

'विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति' हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार का आयोजन, शिक्षाविदों ने दिए सुझाव

माई स्टीरी सिपोर्टर

हिसार। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वयन में अहम रोल होगा। यह बात गुरु जंगेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

ने कही।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, में वीरवार को भारतीय शिक्षण मंडल एवं नीति आयोग द्वारा आयोजित एक दिवसीय वेबिनार में बताए गए थे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका विषय पर अयोजित वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की।

मुख्यालियत ने प्रो. टंकेश्वर कहा कि भारत सही मायने में विश्वगुरु तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां जिष्ठा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे।



वेबिनार के दौरान मौजूद गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह और कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज।

में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों

से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरु की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय व सर्वसमावेशी: वेबिनार के मुख्य वक्ता भारतीय शिक्षण मंडल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि गतीय शिक्षा नीति अद्वितीय और

बेहतर संचार के लिए अच्छा श्रोता होना जरूरी : प्रो. समर हिसार (ब्लूटो)। एक बेहतर संचार उमी को माना जाता है, जब सामने वाले को वह संदेश उमी रूप में समझ में आ जाता है, जिसके लिए वह संदेश है। अगर एक शिक्षक अच्छा संवाद करता है तो वह अपने विद्यार्थियों को बेहतर सौख्यने के लिए प्रेरित कर सकता है। बेहतर संचार के लिए एक अच्छा श्रोता होना भी जरूरी है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में संचार कौशल और तकनीकी लेखन पार्सिंग विषय पर तीन साल से चल रहे औनलाइन रिफ़ेशर कोर्स के वीरवार को समाप्त अवसर पर बतौर मुख्यालियत बोल रहे थे। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 51 वैज्ञानिकों ने खुद को पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत करवाया। इनमें से 20 प्रतिभागी एचएयू से, जबकि 31 प्रतिभागी राजस्थान, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, केरल, महाराष्ट्र आदि राज्यों से थे। इस अवसर पर निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिङ्हपुरिया, निदेशालय की पाठ्यक्रम संयोजिका और संयुक्त निदेशक डॉ. मंजू मेहता, सहायक निदेशक, डॉ. अंजू सहराव आदि मौजूद रहे।

डॉ. बीआर कंबोज ने अपने विचार रखे। इस दौरान डॉ. गवि गुप्ता, डॉ. गजीब कुमार पटेरिया, डॉ. सजय कुमार, डॉ. अमरजीत कालरा, विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक व विभागाध्यक्ष मौजूद थे। वेबिनार में करीब 200 से अधिक शिक्षाविदों ने विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव रखे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

११११ का ३१०१७

दिनांक २६.२.२०२१ पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... १-५

कार्यक्रम

नई शिक्षा नीति पर कृषि विश्वविद्यालय में वेबिनार का हुआ आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अधिकारी गुजरात के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रहे तो अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की।

वैश्विक नागरिक बनाने में नई शिक्षा नीति की भूमिका अहमः वीसी

जागरण संवाददाता, हिसार:
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अधिकारी गुजरात के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रहे तो अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की।

मुख्य अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों को इस नीति के क्रियान्वन में अहम गोल होगा। भारत सभी मायनों में विश्वगुरु तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहाँ शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा की व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। वेबिनार भारतीय शिक्षण मंडल से एवं नीति आयोग द्वारा एचएयू के



वेबिनार के दौरान मौजूद गुजरात के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह और कुलसचिव डा. बीआर कंबोज। ● विज्ञप्ति

सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने सभी अधिकारीयों का वेबिनार के शुभारंभ किया।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति

को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरु की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता।

वेबिनार के मुख्य वक्ता, भारतीय शिक्षण मंडल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और

वेबिनार में जुड़े 200 शिक्षाविद्

इसके अलावा चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. राक्ष वधवा ने भी शिक्षा नीति को लेकर सुझाव प्रस्तुत किए। वेबिनार के संयोजक डा. रवि गुप्ता व डा. राजीव कुमार पटेरिया थे जबकि संयोजक सचिव डा. संजय कुमार व सह-संयोजक सचिव डा. अमरजीत कालरा रहे। वेबिनार संयोजक ने वेबिनार के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए इसके लिए आयोजित किए

जाने वाले विभिन्न सत्रों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वेबिनार में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और करीब 200 से अधिक शिक्षाविदों ने विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव रखे। इसके अलावा विश्वविद्यालय के अधिकारी तथा निदेशकों व विभागाध्यक्षों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर विभिन्न सत्र भी आयोजित किए गए।

नीति के क्रियान्वन के लिए इस तरह से प्रयास करें कि विद्यार्थियों को शिक्षा बोझ न लगे और उनकी स्वयं की इसके प्रति रुचि जागृत हो। जीजेर्य में प्लेसमेंट निदेशक प्रताप मलिक ने वेबिनार के समापन अवसर पर बताया कि वे इस विशिष्टातिथि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विस्तृत रूप से अपने विचार रखे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाबी सुझावी

दिनांक २६.२.२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....३-७.....

विद्यार्थियों को वैशिक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : प्रो. टंकेश्वर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वैबिनार में शिक्षाविदों ने दिए सुझाव

हिसार, 25 फरवरी (ब्यूरो): राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैशिक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। ये विचार गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वैबिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। वैबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था। इस वैबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मण्डल एवं नीति आयोग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के



वैबिनार के दौरान मौजूद गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व एच.ए.यू के कुलपति व कुलसचिव।

कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने सभी अतिथियों का वैबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया।

मुख्यातिथि ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरु तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति

में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्ता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास

होगी। शिक्षकों को सम्मान व धन दोनों मिलेंगे। उन्होंने शिक्षकों आह्वान किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में अपना योगदान देते हुए इसको रचनात्मक बनाएं और इसके गुणों को निखारें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय व सर्वसमावेशी : वैबिनार के मुख्य वक्ता, भारतीय शिक्षण मण्डल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भाद्राज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमावेशी है, क्योंकि इसमें देश के सभी वर्गों के सुझाव शामिल किए गए हैं। इस शिक्षा नीति से वसुधैव कुटुबकम की अवधारणा स्थापित होगी और देश ही नहीं मानवता का विकास होगा और भारतीय संस्कृति की पुनः स्थापना आयोजित किए गए।

गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्लॉसमैं निदेशक डॉ. प्रताप मलिक ने वैबिनार के समापन अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विस्तृत रूप से अपने विचार रखे। इसके अलावा चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राकेश वधवा ने भी शिक्षा नीति को लेकर सुझाव प्रस्तुत किए। इसके अलावा विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों विभागाध्यक्षों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर विभिन्न सत्र भी आयोजित किए गए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दीनि अखबार.....

दिनांक २६.२.२१ पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ५.....

प्रो. टंकेश्वर बोले-राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं एचएयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हुआ वेबिनार

भास्कर न्यूज़ हिसार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वयन में अहम रोल होगा। ये विचार जीजेयू के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए।

वे एचएयू में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में बताए मुख्यातिथि बोल रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका था। इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मंडल एवं नीति आयोग की ओर से एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया। मुख्यातिथि ने कहा कि भारत सही मायरों में विश्वगुरु तभी होगा। जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय

देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर : प्रो. समर सिंह

वेबिनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरु की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्ज्वल था उतना ही भविष्य भी उज्ज्वल होगा। विद्यार्थियों का सर्वर्गीण विकास शिक्षकों की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	25.02.2021	--	--

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर : प्रोफेसर समर सिंह



पाठकपक्ष चूज

हिसार, 25 फरवरी : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वयन में अहम रोल होगा। ये विचार गुरु जम्पेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यविषय बोल रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका थी। इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मण्डल एवं नीति आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया। मुख्यातिथि ने कहा कि भारत सही

माध्यनों में विश्वविद्यालय तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं औं यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्ता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालय में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों से आहवान किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में अपना योगदान देते हुए, इसके रचनात्मक बनाएं और इसके गुणों को निखारें। वेबिनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरु की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक

सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्ज्वल था उतना ही भविष्य भी उज्ज्वल होगा। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षकों की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए और शिक्षकों को भी वही सम्मान दोबारा मिलना चाहिए जो उन्हें प्राचीन काल में मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में शिक्षक को भगवान से भी ऊंचा दर्जा दिया गया है।

वेबिनार के मुख्य वक्ता, भारतीय शिक्षण मण्डल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय विभानी के कुलसचिव जिरंद्र भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमावेशी है क्योंकि इसमें देश के सभी वर्गों के सुझाव शामिल किए गए हैं। गुरु जम्पेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप मलिक ने वेबिनार के समापन अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विस्तृत रूप से अपने विचार रखे। इसके अलावा चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राकेश वधवा ने भी शिक्षा नीति को लेकर सुझाव प्रस्तुत किए। वेबिनार के संयोजक डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. राजीव कुमार पटेलिया थे जबकि संयोजक सचिव डॉ. संजय कुमार व सह-संयोजक सचिव डॉ. अमरजीत कालगड़ रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे न्यूज	25.02.2021	--	--

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

एचएयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार, शिक्षाविदों ने दिए सुझाव

टूडे न्यूज | हिसार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। ये विचार गुरु जम्मेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित एक दिवसीय अॅनलाइन वेबिनार में बताए मुख्यालियत बोल रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था।

इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मण्डल एवं नीति आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया। मुख्यालियत ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरु



तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा प्राप्त करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिवसीय दिवाली में घटिया होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों से आँखें किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में अपना योगदान देते हुए इसके गुणों को निखारें। वेबिनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए तेजार होंगे तो देश को विश्वगुरु की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्ज्वल था उतना ही भविष्य भी उज्ज्वल होगा। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षकों की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए और शिक्षकों को भी वही सम्मान दोबारा मिलना चाहिए जो उन्हें प्राचीन काल में मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में शिक्षक को भगवान से भी ऊंचा दर्जा दिया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे न्यूज	25.02.2021	--	--

बेहतर संचार के लिए अच्छा श्रोता होना जरूरी : प्रो. समर सिंह

एचएयू में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म पर ऑनलाइन रिफेशर कोर्स संपन्न

हिसार | सिरसा टुडे

एक बेहतर संचार उसी को माना जाता है जब सामने वाले को वह संदेश उसी रूप में समझ में आ जाता है, जिसके लिए वह संदेश है। अगर एक शिक्षक अच्छा संवाद करता है तो वह अपने विद्यार्थियों को बेहतर सीखने के लिए प्रेरित कर सकता है। बेहतर संचार के लिए एक अच्छा



श्रोता होना भी जरूरी है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में संचार कौशल और

तकनीकी लेखन फॉर्म विषय पर तीन सप्ताह के लिए आयोजित ऑनलाइन रिफेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल

महत्ता है, इसलिए हमारा संवाद प्रभावी होना चाहिए। निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धूरिया ने संचार कौशल के बारे में वैज्ञानिकों के ज्ञान को अपडेट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संचार कौशल का कृषि और संबंधित क्षेत्रों में बहुत महत्व है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों द्वारा इस कोर्स के

रहे थे। उन्होंने इस तरह के निरंतर आयोजित किए जाने वाले कोर्सों के लिए निदेशालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दिन-प्रतिदिन के जीवन में संचार कौशल और तकनीकी लेखन की बहुत

सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से पूरा करने पर सराहना की। निदेशालय की पाठ्यक्रम संयोजिका और संयुक्त निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने पाठ्यक्रम के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	25.02.2021	--	--

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति: प्रो. टंकेश्वर कुमार

पल पल न्यूज़: हिसार, 25 फरवरी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। ये विचार गुरु जग्मेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में बतार मुख्यालिय बोल रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था। इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मण्डल एवं नीति



आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कबोज ने सभी अतिथियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया। मुख्यालिय ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वास तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा

में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमर्जी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में अपना योगदान देते हुए

इसको रचनात्मक बनाएं और इसके गुणों को निखारें। वेबिनार के मुख्य वक्ता, भारतीय शिक्षण मण्डल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमावेशी है क्योंकि इसमें देश के सभी बगों के सुझाव शामिल किए गए हैं। इस शिक्षा नीति से वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा स्थापित होगी और देश ही नहीं मानवता का विकास होगा और भारतीय संस्कृति की पुनः स्थापना होगी। शिक्षकों को सम्मान व धन दोनों मिलेंगे। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस नीति के क्रियान्वन के लिए इस तरह से प्रयास करें कि विद्यार्थियों को शिक्षा बोझ न लगे और उनकी स्वयं की इसके प्रति रुचि जागृत हो।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग	25.02.2021	--	--

वेबिनार एवण्यू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हुआ वेबिनार का आयोजन विद्यार्थियों को वैशिक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : कुलपति

⇒ शिक्षाविदों ने दिए
अपने सुझाव

जगमार्ग न्यूज़

हिसार। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैशिक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम गेल होगा।

यह यात गुरु जगेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टेक्स्टर कुमार ने कहा। वे वैरेखर को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एक दिलसीय ऑनलाइन वेबिनार को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। वेबिनार की अवधिकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय



राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था। इस वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मंडल एवं नीति आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। वेबिनार के गुण हैं और वह इस दिवा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्तता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी यन्मजी से विषय चुन सकेंगे।

इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक यात्रक्रम की बजाय सभी यात्रक्रमों की शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। प्रोफेसर टेक्स्टर कुमार ने शिक्षकों से आहवान किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में अपना योगदान देते हुए इसको

देश का भविष्य
शिक्षकों के कंधों
पर : समर सिंह

वेबिनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जो शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की लागू करने के लिए तैयार होंगे तो देश की विद्यालयों की उपाधि दोबारा से बिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्ज्वल था उतना ही भविष्य भी उज्ज्वल होगा।

रचनात्मक बनाएं और इसके गुणों को निखारें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	25.02.2021	--	--

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : प्रो. टंकेश्वर कुमार

एचएयू में राष्ट्रीय शिक्षा
नीति पर आयोजित
वेबिनार में शिक्षाविदों ने
दिए समाचार

समस्त हावीयाणा न्यूज़
हिसार। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थीको को मौखिक नामांकन तेलिए अपने भूमिका निर्धारणी। इसके लिए विद्यार्थीको का एक नीतीको के विकासानन्द अहम गोले होंगा। ये विचार गुरु जन्मभूमि विजयन एवं प्रधानमंत्रीको विवरणात्मक देखने वाले रूप। देखकर कहा जायेगा कि विद्यार्थी के बोधी वर्ष से रिक्वेट देने वे विद्यार्थी वर्ष से रिक्वेट हरियाणा की विद्यार्थीयाणा, हिसार वां आयोडीए एवं विद्यार्थी अंतिमान वीचारनम् वाले रूप होंगे। वीचारन अध्यक्षता एचएस्यू के कूलपती प्रोफेसर समर विजय ने कोई वीचारका का सुनाव विवरण दिया। विवरण विद्यार्थीको के विकासानन्द अपेक्षाकृती भूमिका था। इस वीचारका का आपांका भारतीय विषय मंडल एवं नीती आयोडीए द्वारा एचएस्यू के सहायी से आयोडीएवाले विवरणात्मक देखने वाले रूप।



देश का भविष्य शिक्षकों के
कंधों पर : प्रो. समर सिंह

वेनिवार में एवं पृथु कूलपति प्रोफेक्टर समझ सिंह ने कहा कि देश का भवित्व शिखों के कंधों पर है। जब शिखक तन-मन-भन से कार्य करेंगे और गुरुद्वारा शिखा नीति को लापा करेंगे तो देश की विस्थापना को उत्तीर्ण दोषात्मक से मिलान से कोई नहीं रोक सकता। उठाने के बाहर की भाँति को विचार बहुत ही समृद्ध है। विचारियों का सर्वाधिक विकास शिखों की नीति के विमोदारी होनी चाहिए और शिखों को भी वही सम्मान दोषात्मक मिलाना चाहिए कि उन्हें प्रशंसन काल में मिलता रहे। उठाने का काल विचार काल में विचार करने और प्रशंसन काल में भी जीवन का अवधि रखना है।

शिक्षा नीति से बहुत कम करना चाहिए। दूसरी तरफ हमें यह विचार नीति को लेकर सुलापवर प्रस्तुत किया जाएगा। विचारक से संयोजक डॉ. रमेश कुमार पटेल या जेवकां संयोजक सचिव डॉ. संजय कुमार व सद-

को समाप्त कर धन दोनों मिशनों
 के लिए बहुत ज़्यादा निवेदन दिलेकर आ
 प्रवास यात्रा के लिए विवरण के समाप्त
 अवसर पर बढ़ावी रखें। विवरण अपनी राहीय
 विवरण नीति पर विस्तृत रूप से अपने विवरण
 रखें। इसके अलावा चौथी देवीकामना
 के लिए विवरण के अन्तर्गत निवेदन के संबंधित
 विवरण का लाभार्थी देते ही करें। इसके दिवान
 अपनी विवरण के लिए विवरण सदै को
 लाभार्थी करायी दें। विवरण में गाहुष्य की विवरण
 को लेकर विवरणात्मक वर्षीय की पांच
 वर्षीय और कारीब 10 वर्षीय विवरण ने
 विवरण विवरणों पर आपने मात्रा लियी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	25.02.2021	--	--

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति: प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार, शिक्षाविदों ने दिए सुझाव

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गण्डीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अख्य भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वयन में अहम योग होगा। ये विचार गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौथे चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित एक विद्यार्थी औनलाइन वेबिनार में बताएँ रखे थे। वेबिनार को अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व एचएयू के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार व एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व एचएयू के कुलपति प्रोफेसर डॉ. वी.आर. कंबोज।



हिसार। वेबिनार के दीर्घन पीज़ुद गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार व एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व एचएयू के कुलपति प्रोफेसर डॉ. वी.आर. कंबोज।

कि भारत सभी यावदों में विश्वासुरु तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहां शिक्षा प्राप्त करने के लिए आकर्षित होंगे। गण्डीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय और सूखाव शामिल किए गए हैं। इस शिक्षा नीति से वसुधैव कुटुम्बकम में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। गण्डीय शिक्षा नीति अद्वितीय व सर्वसमावृत्ती वेबिनार के मुख्य बक्ता, भारतीय शिक्षण मण्डल के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसोलाल विश्वविद्यालय

भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि गण्डीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमावृत्ती है विद्यार्थियों को वैश्विक नीति से वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा स्थापित होगी और यह इस देश ही नहीं मानवता का विकास करता है और भारतीय संस्कृति को पुनः स्थापना होती। शिक्षकों को समाज व धर्म दोनों मिलेंगे। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस नीति के कुलसचिव डॉ. राकेश विश्वविद्यालय

देश का भविष्य शिक्षकों के क्षेत्रों परः प्रो. समर सिंह

वेबिनार ने एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के क्षेत्रों पर है। जब शिक्षा तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए देश लोगों तो देश को विवरण की जावी दोबारा से लिया जाएगा। नई नई शिक्षकों को लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मारा की विजय बहुत दी समृद्ध है, गिरावं गृहाकाल जिता उज्ज्वल था उनका ही अधिक नीति उज्ज्वल होगा।

शिक्षा नीति को लेकर सुझाव प्रस्तुत किए। वेबिनार के संयोजक डॉ. राकेश गुप्ता व डॉ. राजीव कुमार पटेरिया वे जबकि संयोजक सचिव डॉ. संजय कुमार व सह-संयोजक सचिव डॉ. अमरजीत कालरा रहे। वेबिनार संयोजक ने वेबिनार के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए इसके लिए आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सत्रों की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	25.02.2021	--	--

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं: प्रो. टंकेश्वर

हिसार/25 फरवरी/रिपोर्टर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। ये विचार गुरु जमीश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एक विवसाय मन्त्रालय में बौद्धी विद्यार्थी नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। वैबीनर में बौद्धी विद्यार्थी बोल रहे थे। वैबीनर की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने को। इसका मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था। मुख्यातिथि ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरु तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यहाँ

शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और वह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्ता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमयता से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम की बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। प्रोफेसर कुमार ने शिक्षकों से आवान किया कि वे इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में अपना योगदान दें। हुए इसको रखनात्मक बनाएं और इसके गुणों को निखारें।

वैबीनर में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर है। जब शिक्षक तन-

मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लाएँ करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरु की उपाधि दोबारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्ज्वल था उठाने ही भविष्य भी उज्ज्वल होगा। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षकों की नैतिक विमर्शपूरी होनी चाहिए और शिक्षकों को भी वही समान दोबारा मिलना चाहिए जो उन्हें प्राचीन काल में मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में शिक्षक के भावावन से भी ऊंचा दर्जा दिया गया है। वैबीनर के मुख्य वक्ता, भारतीय शिक्षण मण्डल के अध्यक्ष एवं चौधरी वंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलसचिव जितेंद्र भाटाजा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति अद्वितीय और सर्वसमर्पणीय है। वैबीनर के मुख्य वक्ता, राजीव कुमार परेरिया थे जबकि संयोजक सचिव डॉ. संजय कुमार व सह-संयोजक सचिव डॉ. अमरजीत कालरा रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	25.02.2021	--	--

विद्यार्थियों को वैरिक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : प्रो. टंकेश्वर



वेबिनार के दौरान भौजूद गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डा. वी.आर. कंबोज।

हिसार, 25 फरवरी (राजकुमार) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को वैशिक नागरिक बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएंगी। इसके लिए शिक्षकों का इस नीति के क्रियान्वन में अहम रोल होगा। वे विचार गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्यालियत बोल रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। वेबिनार का मुख्य विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन में शिक्षकों की भूमिका था। इस

वेबिनार का आयोजन भारतीय शिक्षण मण्डल एवं नीति आयोग द्वारा एचएयू के सहयोग से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. वी.आर. कंबोज ने सभी अलिंगियों का वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर स्वागत किया।

एचएयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार, शिक्षाविदों ने दिया सुझाव

किया। मुख्यालियत ने कहा कि भारत सही मायनों में विश्वगुरु तभी होगा जब विश्व के प्रत्येक कोने से विद्यार्थी यह शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यवसाय में बदलने के गुण हैं और यह इस दिशा में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने

कहा कि इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों व शिक्षकों दोनों को स्वायत्ता मिलेगी और विद्यार्थी अपनी मनमजी से विषय चुन सकेंगे। इस शिक्षा नीति के आने के बाद विश्वविद्यालयों में भी किसी खास एक पाठ्यक्रम को बजाय सभी पाठ्यक्रमों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे।

देश का भविष्य शिक्षकों के कांधों पर : प्रोफेसर समर सिंह : वेबिनार में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश का भविष्य शिक्षकों के कांधों पर है। जब शिक्षक तन-मन-धन से कार्य करेंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लगू करने के लिए तैयार होंगे तो देश को विश्वगुरु की उपाधि देवारा से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत बहुत ही समृद्ध है, जिसका भूतकाल जितना उज्ज्वल था उतना ही भविष्य भी उज्ज्वल होगा। विद्यार्थियों का सर्वोत्तम विकास शिक्षकों की नैतिक जिम्मेदारी हेने चाहिए और शिक्षकों को भी वही सम्मान देवारा मिलना चाहिए जो उन्हें प्राचीन काल में मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में शिक्षक को भाग्यान से भी ऊँचा दर्जा दिया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	25.02.2021	Online	--

विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाएगी नई शिक्षा नीति : कुलपति



एवं एयु में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार शिक्षाविदों ने दिए सझाव

15

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को अपने कानूनी अधिकार बनाने के लिए अपने प्रभुमित्रों निभाएगी। इसके लिए शिक्षण का दूसरा नीति के विषयावान में अद्यतन स्थान है।

यह बात पूर्ण रूप से विवरित करने वाली विविधताएँ के बुलंडी प्रोत्साहन टक़बूर तक़मान न करती है। वे विवर की तरीखिया कुणि विविधताएँ में आवश्यक एक विविधता अंतर्दाहन विवर की मुद्रा अंतिम के लिए पर विविधत कर देते हैं। विवर की अंतर्दाहन विषयों पर कुछ बहुत दोषकार समर्पित होती है। विवर का मुख्य विषय राष्ट्रीय विभिन्न नीति के विषयान में विशेषज्ञों की भूमिका वा इस विवर का व्याख्यन भारतीय विभिन्न मालिक इन नीतियों की विवरण द्वारा एवं विवर की विषयान से जुड़ती विभिन्न गति। विविधताएँ के बुलंडी विवरित तांत्रिक अवधारणा वाले विवर की विविधताएँ ने इसी काली घट भवति विभिन्न विवर के एक विवर काने से विविधता विभिन्न विवर करना चाहिए। विवर की विविधताएँ विवर के बुलंडी विवरित तांत्रिक अवधारणा वाले विवर की विविधताएँ ने इसी काली घट भवति विभिन्न विवर के एक विवर काने से विविधता विभिन्न विवर करना चाहिए। विवर की विविधताएँ विवर के बुलंडी विवरित तांत्रिक अवधारणा वाले विवर की विविधताएँ ने इसी काली घट भवति विभिन्न विवर के एक विवर काने से विविधता विभिन्न विवर करना चाहिए। विवर की विविधताएँ विवर के बुलंडी विवरित तांत्रिक अवधारणा वाले विवर की विविधताएँ ने इसी काली घट भवति विभिन्न विवर के एक विवर काने से विविधता विभिन्न विवर करना चाहिए। विवर की विविधताएँ विवर के बुलंडी विवरित तांत्रिक अवधारणा वाले विवर की विविधताएँ ने इसी काली घट भवति विभिन्न विवर के एक विवर काने से विविधता विभिन्न विवर करना चाहिए।

देश का भविष्य शिक्षकों के कथों पर : समर सिंह

जिसमें नाम एवं वर्णन कुछ लापता प्राप्त होना चाहिए तो वह काला कर देखिये कि देखा कर भवित्व विकल्पों के क्षेत्र पर है। जब विकल्प तन-सम्बन्ध में होते हैं तो कार्य वारी और सामग्री विकल्पों के क्षेत्र पर कार्य करने के लिए उपयोग किए जाते हैं तो वह विकल्प की प्रत्येक स्थिति द्वारा सिंचायन से कोई नई सेवक उत्पन्न होता। उत्पन्न कार्यों के भवित्व की स्थिति विकल्पों के विकल्पों की स्थिति के उत्पन्न से प्रभावी होती है।

રાષ્ટ્રીય શિક્ષા નીતિ અદ્વિતીય બ સંવસ્થાનાદેશી

योगिनार्थके मुख्य वक्तव्य, भासीय शिक्षणमंडलके आधार एवं वैश्वीनी संस्कृतात् विशेषज्ञाता प्रियोनि के कुलाचार्यविद्यालय भारतानन्दने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षण नीति गवर्णरीय और सरकारीयावैष्यी है जबकि इसके द्वारा के लिये कर्म के बहुतायत साधन विभिन्न रूप हैं। इस शिक्षण नीति से संबंधित कुलाचार्यविद्यालय की विद्यार्थीय एवं अधिकारीयों और देश से नई मानवताव का विकास होगा और भारतीय संस्कृत की पुनः शाखाओं होगी। प्रियोनिके लिये समर्पण व धन्देना प्रियोनि।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दीन के मर्म.....
दिनांक २६.२.२०२१ पृष्ठ संख्या.....५..... कॉलम ।-२.....

एचएयू में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म पर रिफ़ेशर कोर्स संपन्न

हिसार | एक बेहतर संचार उसी को माना जाता है जब सामने वाले को वह संदेश उसी रूप में समझ में आ जाता है, जिसके लिए वह संदेश है। आगर एक शिक्षक अच्छा संवाद करता है तो वह अपने विद्यार्थियों को बेहतर सीखने के लिए प्रेरित कर सकता है। बेहतर संचार के लिए एक अच्छा श्रोता होना भी जरूरी है। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म विषय पर तीन सप्ताह के लिए आयोजित ऑनलाइन रिफ़ेशर कोर्स के समाप्त अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिंहपुरिया ने संचार कौशल के बारे में वैज्ञानिकों के ज्ञान को अपडेट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पाठ्यक्रम समन्वयक और सहायक निदेशक डॉ. अंजू सहरावत ने बताया कि ऑनलाइन रिफ़ेशर कोर्स में 51 वैज्ञानिकों ने पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत करवाया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज़	25.02.2021	--	--

एचएयू में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म पर ऑनलाइन रिफ़ेशर कोर्स संपन्न

बेहतर संचार के लिए अच्छा श्रोता होना जरूरी : प्रो. समर सिंह



पांच बजे न्यूज़

हिसार। एक बेहतर संचार उसी को माना जाता है जब समझने वाले को वह संदेश उसी रूप में समझ में आ जाता है, जिसके लिए वह संदेश है। अगर एक शिक्षक अच्छा संवाद करता है तो वह अपने विद्यार्थियों को बेहतर सीखने के लिए प्रेरित कर सकता है। बेहतर संचार के लिए एक अच्छा श्रोता होना भी जरूरी है। उक्त विचार चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म विषय पर तीन सप्ताह के लिए आयोजित

ऑनलाइन रिफ़ेशर कोर्स के समापन अवसर पर बड़ी मुख्यालियत बोल रहे थे। उन्होंने इस तरह के निरंतर आयोजित किए जाने वाले कोर्सों के लिए निदेशालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दिन-प्रतिदिन के जीवन में संचार कौशल और तकनीकी लेखन की बहुत महत्व है, इसलिए हमारा संवाद प्रभावी होना चाहिए। निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. मिठुरिया ने संचार कौशल के बारे में वैज्ञानिकों के ज्ञान को अपडेट करने की आवश्यकता पर जो दिया। उन्होंने कहा कि संचार कौशल का काष्ठि और संबंधित क्षेत्रों में बहुत महत्व है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों द्वारा इस कोर्स के सफलतापूर्वक, पूरी लाग्न और मेहनत से पूरा करने पर

सराहना की। निदेशालय की पाठ्यक्रम संयोजिका और संयुक्त निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने पाठ्यक्रम के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि सूचना क्रांति ने दुनिया को एक वैश्विक गांव में बदल दिया है, जिसमें विभिन्न संचार माध्यमों के द्वारा जानकारियों का एक विशाल प्रवाह है। सूचना और विचारों के निरंतर और त्वरित आदान-प्रदान के इस युग में वैज्ञानिकों, शिक्षकों और विस्तार विशेषज्ञ अपने शोध के फलदायक परिणामों के रूप में शोध प्रकाशनों को समने लाते हैं। इसलिए उन्हें तकनीकी लेखन एवं संचार कौशल की जानकारी होना बहुत जरूरी है।

देशभर से 51 प्रतिभागी हुए शामिल पाठ्यक्रम समन्वयक और सहायक निदेशक, डॉ. अंजू सहावत ने बताया कि ऑनलाइन रिफ़ेशर कोर्स में देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 51 वैज्ञानिकों ने खुद को पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत करवाया। इनमें से 20 प्रतिभागी एचएयू से जबकि 31 प्रतिभागी राजस्थान, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, झज्जू-कश्मीर, केरल, महाराष्ट्र आदि राज्यों से थे। कोर्स के द्वारा प्रतिभागियों को समझ और प्रस्तुति में दक्षता, उच्चारण में बुनियादी मानदंशन, बोली जाने वाली अंग्रेजी में समझदारी के बारे में बताया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	25.02.2021	--	--

बेहतर संचार के लिए एक अच्छा श्रोता होना भी जरूरी : प्रो. सिंह

हिसार/25 फरवरी/रिपोर्टर

एक बेहतर संचार उसी को माना जाता है जब सामने वाले को वह संदेश उसी रूप में समझ में आ जाता है, जिसके लिए वह संदेश है। अगर एक शिक्षक अच्छा संचाद करता है तो वह अपने विद्यार्थियों को बेहतर सीखने के लिए प्रेरित कर सकता है। बेहतर संचार के लिए एक अच्छा श्रोता होना भी जरूरी है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में संचार कौशल और तकनीकी लेखन फॉर्म विषय पर आयोजित ऑनलाइन रिफेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि दिन-प्रतिदिन के जीवन में

संचार कौशल और तकनीकी लेखन की बहुत महत्ता है, इसलिए हमारा सर्वांद प्रभावी होना चाहिए। निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने संचार कौशल के बारे में वैज्ञानिकों के ज्ञान को अपडेट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संचार कौशल का कृषि और संबंधित क्षेत्रों में बहुत महत्व है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों द्वारा इस कोर्स के सफलतापूर्वक, पूरी लगन और मेहनत से पूरा करने पर सराहना की। निदेशालय की पाठ्यक्रम संयोजिका और संयुक्त निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने पाठ्यक्रम के बारे में रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि सूचना क्रांति ने दुनिया को एक वैश्विक गांव में बदल दिया है, जिसमें विभिन्न संचार माध्यमों द्वारा

जानकारियों का एक विशाल प्रवाह है। सूचना और विचारों के निरंतर और त्वरित आदान-प्रदान के इस युग में वैज्ञानिक, शिक्षक और विस्तार विशेषज्ञ अपने शोध के फलदायक परिणामों के रूप में शोध प्रकाशनों को सामने लाते हैं। इसलिए उन्हें तकनीकी लेखन एवं संचार कौशल की जानकारी होना बहुत जरूरी है। पाठ्यक्रम समन्वयक और सहायक निदेशक डॉ. अंजू सहरावत ने बताया कि ऑनलाइन रिफेशर कोर्स में देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 51 वैज्ञानिकों ने खुद को पंजीकृत करवाया। इनमें से 20 प्रतिभागी एचएयू से जबकि 31 प्रतिभागी राजस्थान, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, केरल, महाराष्ट्र आदि राज्यों से थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पैनि क. ३१२४

दिनांक २६. २. २०२१ पृष्ठ संख्या ५ कॉलम ६.८

एचएयू में गेहूं की नई किस्म 1270, प्रति हेक्टेयर देती है 75 विंटल पैदावार

जागरण संगवददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विज्ञानियों द्वारा विकसित की गई गेहूं की किस्म डब्ल्यूएच-1270 नया रिकॉर्ड बनाती दिख रही है। इस किस्म की औसत पैदावार भी इतनी है कि करनाल के भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान भी इसे काफी अच्छा मान रहे हैं। इस किस्म की औसतन पैदावार 75.85 विंटल प्रति हेक्टेयर आंकी गई है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। ऐसे में अब अधिक से अधिक किसानों तक यह पहुंचाने की तैयारी विश्वविद्यालय कर रहा है। हाल ही में भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. जीपी सिंह एचएयू में आए तो उन्होंने भी विज्ञानियों से अपील की कि वह इस किस्म का अधिक से अधिक बीज तैयार करें और इसका प्रचार व प्रसार करते हुए किसानों को

आमदानी बढ़ाने वाली पद्धति पर दिया जाएगा जोर
निदेशक डा. जीपी सिंह ने बताया कि कृषि विज्ञानिक समय पर बिजाई की जाने वाली व अधिक उत्पादन देने वाली उन्नत किस्मों को विकसित करने पर अधिक शोध कार्य करें ताकि किसानों की आमदानी में इजाफा हो सके और वे खुशहाल हो सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के गेहूं व जौ अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का दैरा करने के उपरांत विज्ञानियों से रुबरु हुए।

उपलब्ध करवाएं ताकि किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके।

गेहूं की यह उन्नत किस्म हरियाणा सहित कुछ अन्य राज्यों में भी उगाई जा रही है। इसकी जानकारी किसान विज्ञानियों से ले सकते हैं। वहीं

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि वे ऐसी तकनीकों एवं विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों को विकसित करने पर जोर दें जिससे किसानों को कम खर्च में अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि यहां से विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को कृषि विज्ञान केंद्रों व अन्य माध्यमों से ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाने की कोशिश करें। किसानों को भी अपने स्तर पर विश्वविद्यालय के विज्ञानियों से मिलकर अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए।

किसान अपनी फसलों पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशकों का ही उनकी सलाहनुसार प्रयोग करें ताकि समय रहते फसलों पर आने वाली बीमारियों की रोकथाम की जा सके और फसलों से अधिकतम पैदावार हासिल की जा सके।